रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 33] नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 25, 2016/माघ 5, 1937
No. 33] NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 25, 2016/ MAGHA 5 , 1937

राष्ट्रपति सचिवालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 2016

सं. 1-प्रेज़/2016.—राष्ट्रपति, अति असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए निम्नलिखित व्यक्ति को "अशोक चक्र" पुरस्कार प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं:—

***13625566**डब्ल्यू लांस नायक मोहन नाथ गोस्वामी, दी पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)/6वीं बटालियन दी राष्ट्रीय राइफल्स (मरणोपरांत)*

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 02 सितम्बर, 2015)

02/03 सितम्बर, 2015 को लांस नायक मोहन नाथ गोस्वामी जम्मू और कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के हफरूदा जंगल में घात लगाने वाले दस्ते में शामिल थे। शाम को लगभग 08 बजकर 15 मिनट पर, चार आतंकवादियों के साथ भीषण मुठभेड़ हुई जिसमें उनके दो साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। यह जानते हुए कि उनकी तथा उनके साथी की जिन्दगी खतरे में है लांस नायक मोहन अपने साथी के साथ घायल साथियों को बचाने के लिए आगे बढ़े। लांस नायक मोहन ने पहले एक आतंकवादी को मार गिराने में सहायता की। अपने तीन घायल साथियों पर मंडराते गंभीर खतरे को भांपते हुए लांस नायक मोहन ने अपने जीवन की परवाह किये बिना भारी गोलीबारी कर रहे बचे हुए आतंकवादियों पर हमला कर दिया। इस दौरान उन्हें जांघ में गोली लगी। अपनी जान की परवाह न करते हुए, उन्होंने एक आतंकवादी को पास जाकर मार गिराया और दूसरे को घायल कर दिया। इस बीच उन्हें पेट में भी गोली लग गयी। अपनी घायलवस्था में भी अडिग रहकर वह स्वयं अन्तिम आतंकवादी पर टूट पड़े और वीरगति को प्राप्त होने से पहले उसे भी बहुत ही नजदीक से मार गिराया। लांस नायक मोहन ने न केवल दो आतंकवादियों को मार गिराया बल्कि अन्य दो आतंकवादियों को मार गिराने में सहायता की तथा अपने तीन घायल साथियों की जान बचाई।

लांस नायक मोहन नाथ गोस्वामी ने व्यक्तिगत रूप से दो आतंकवादियों को मार गिराने और घायल साथियों को सुरक्षित स्थान पर ले जाने में सहायता करने में उत्कृष्ट वीरता का प्रदर्शन किया और भारतीय सेना की उच्चतम परम्पराओं के अनुरूप सर्वोच्च बलिदान दिया।

थॉमस मैथ्यू, राष्ट्रपति के अतिरिक्त सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd January, 2016

No. 1-Pres/2016.—The President is pleased to approve the award of the **"Ashoka Chakra"** to the undermentioned person for the acts of most conspicuous gallantry:—

13625566W LANCE NAIK MOHAN NATH GOSWAMI THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)/6TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES (POSTHUOUS)

(Effective date of the award : 02 September, 2015)

On 02/03 September, 2015, Lance Naik Mohan Nath Goswami was part of an ambush in Haphruda forest at Kupwara district of Jammu and Kashmir. At about 2015 hrs, there was a fierce encounter with four terrorists wherein two of his comrades were injured and pinned down. Lance Naik Mohan along with his buddy dashed forward to rescue injured colleagues, knowing well the risks to their own lives. Lance Naik Mohan first assisted in eliminating one terrorist. Sensing grave danger to three of his wounded colleagues, Lance Naik Mohan with utter disregard to his own personal safety, charged at the remaining terrorists drawing intense fire from them. He was hit in the thigh. Unmindful, he closed in and eliminated one terrorist, injured another and was again shot in the abdomen. Undeterred by his injures, he hurled himself on the last terrorist and killed him at point blank range before succumbing to his wounds. Lance Naik Mohan not only killed two terrorists, but also assisted in neutralizing the other two and saved the lives of three of his wounded colleagues.

Lance Naik Mohan Nath Goswami exhibited most conspicuous gallantry in personally eliminating two terrorists and assisting in evacuation of his wounded colleagues and made supreme sacrifice in the highest traditions of the Indian Army.

THOMAS MATHEW, Addl. Secy. to the President

Printed by the Manager, Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.